



॥ सूर्य देव पूजा विधि ॥
सुख संपत्ति बढ़त सदा, मिटत सकल
दुख भारी

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ सूर्य देव पूजा विधि ॥

1. प्रातःकाल जल्दी उठें

सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करें।
स्वच्छ लाल या पीले वस्त्र धारण करें।

2. पूजा सामग्री

तांबे का लोटा
स्वच्छ जल
लाल फूल
रोली, अक्षत
गुड़
लाल चंदन
दीपक
धूप
नैवेद्य (फल/मिठाई)

3. सूर्य को अर्घ्य दें

तांबे के लोटे में जल, लाल फूल और अक्षत डालें।
पूर्व दिशा की ओर मुख करके धीरे-धीरे सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित
करें।

अर्घ्य देते समय मंत्र बोलें:

ॐ घृणिः सूर्य आदित्यः ॥

या

ॐ सूर्याय नमः ॥

4. सूर्य मंत्र जाप

निम्न मंत्र का 11, 21 या 108 बार जाप करें:
ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः ॥

5. दीप और धूप अर्पित करें

घी का दीपक जलाएं।
धूप दिखाकर सूर्य देव का ध्यान करें।

6. सूर्य स्तुति / चालीसा पाठ

सूर्य चालीसा
आदित्य हृदय स्तोत्र
सूर्य अष्टकम
सूर्य आरती
इनका पाठ करना अत्यंत शुभ माना जाता है।

7. प्रार्थना

दोनों हाथ जोड़कर स्वास्थ्य, तेज, सफलता और सुख-समृद्धि की
कामना करें।

पूजा के विशेष नियम

रविवार को नमक कम खाने की परंपरा मानी जाती है।

पूजा के समय मन शांत रखें।

प्रतिदिन सूर्य को जल देने से आत्मबल बढ़ता है।

सूर्य पूजा के लाभ

आत्मविश्वास में वृद्धि

नेत्र और स्वास्थ्य लाभ

मान-सम्मान में वृद्धि

मानसिक सकारात्मकता

करियर और नेतृत्व क्षमता में सुधार

॥ जय सूर्य नारायण भगवान ॥